विश्वकर्मा इलाके में प्लास्टिक पाइप फैक्ट्री में भीषण आग

छह दमकलों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विश्वकर्मा रोड नंबर 17 स्थित करणी विहार कॉलोनी में बनी प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही समय में भीषण रूप धारण कर लिया। आग लगने की जानकारी मिलने पर लोगों ने दमकल और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर विश्वकर्मा से आधा दर्जन दमकल मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सके।

दमकलकर्मियों ने समय रहने आस-पास में रह रहे मकानों को भी खाली करवाया और वहां पर रखे सिलेंडर भी बाहर निकाले। फैक्ट्री में ही मजदूर का परिवार भी रहता था जिसके पास भी सिलेण्डर रखे थे। यह फैक्ट्री आवासीय इलाके में चल रही थी। नगर निगम प्रशासन की लापरवाही से आवासीय इलाकों में वाणिज्यक गतिविधियां चल रही है। जो कभी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। आग से लाखों रुपए का तैयार व कच्चे माल के साथ मशीनरी जल कर राख हो गई।

सहायक अग्निशमन अधिकारी भंवर सिंह हाड़ा ने बताया किफैक्ट्री में आग लगने की जानकारी मिली। जानकारी मिलने पर वीकेआई से एक के बार एक कर छह दमकल को मौके पर भेजी गई। यह फैक्ट्री आवासीय इलाके में चल रही थी। फैक्ट्री से लगते दो-तीन मकान और पीछे की तरफ एक केमिकल फैक्ट्री भी है। आग से आस-पास के मकानों को नुकसान नहीं पहुंचा है। फैक्ट्री के ऊपरी हिस्से में ही एक मजदूर का परिवार भी रहता था समय रहने परिवार बाहर आ गया था लेकिन सिलेण्डर उसके ऊपर ही रखे थे।

दमकलकर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर सिलेण्डर को बाहर निकाल लिए। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। यह फैक्ट्री में कपिल अग्रवाल चलाते हैं। जहां पर काले रंग के प्लास्टिक के पाइप बनते हैं। यह कंपनी शुभ महालक्ष्मी पोली पाइप के नाम से हैं।

आग की सूचना मिलने के बाद फैक्ट्री मालिक भी मौके पर पहुंच गया था। आग से कोई हताहत नहीं हंआ है। फैक्ट्री में करीब सात घरेलू सिलेंडर भरे हुए मिले। जिन्हें सावधानी से फैक्ट्री से बाहर निकाला गया। आग की प्राथमिक वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

विश्वकर्मा रोड नंबर 17 स्थित करणी विहार कॉलोनी में बनी प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक आग लगीं।

- बताया जा रहा है कि रिहायशी इलाके में संचालित थी यह फैक्ट्री, आग से दीवार और पट्टियां टूटी
- दमकलकर्मियों ने समय रहते फैक्ट्री से बाहर निकाले सात गैस सिलेंडर, अन्यथा ब्लास्ट हो सकता था

राजस्थान यूनिवर्सिटी के सामने उपद्रव करने पर दो विधायकों सहित नौ को सजा

- अदालत द्वारा दोषी करार दिए गए इन नौ अभियुक्तों में से अधिकांश छात्रनेता थे
- उधर अभियुक्तगणों का कहना है कि, उनकी ओर से इस प्रकरण को लेकर जल्द ही राजस्थान उच्च न्यायालय में भी अपील दायर की जायेगी

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-19, महानगर प्रथम ने छात्र जीवन में राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने बवाल करने और रास्ता जाम करने के आरोप में वर्तमान में लाडनूं विधायक मुकेश भाकर और शाहपुरा विधायक मनीष यादव सहित कुल 9 आरोपियों को एक साल से अधिक की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने प्रत्येक अभियुक्त पर 3200 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर अभियुक्तों को डेढ़ माह अतिरिक्त जेल में रहना पडेगा। अदालत ने सजा सुनाने के बाद सभी अभियुक्तों को अपील पेश करने के लिए समय देते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। पीठासीन अधिकारी परिक्षिता देथा ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्तों ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार और जेएलएन मार्ग पर यातायात बाधित कर बवाल व लोकमार्ग में बाधा का अपराध कारित किया है। ऐसे में अभियुक्त मुकेश भाकर, द्रोण यादव, भानू प्रताप सिंह, अभिषेक चौधरी, राजेश मीणा, रवि किराड उर्फ रविकांत, वसीम खान, मनीष यादव और विद्याधर मील को आईपीसी की धारा 147 और 283 के तहत दोषसिद्ध किया जाता है।अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि 13 अगस्त, 2014 को एसआई ओमप्रकाश ने गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि विश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से बिना नंबर की जीप को पकड़ने की सूचना पर वह विश्वविद्यालय गया था। वहां छात्र नेता राजेश मीणा और द्रोण यादव सहित अन्य विश्वविद्यालय में ज्ञापन देने आए थे। करीब दो बजे आरोपियों के नेतृत्व में एनएसयूआई के करीब 200 छात्र विश्वविद्यालय के बाहर नारेबाजी कर सीसेट का विरोध कर रहे थे। इन्होंने अचानक दौडकर जेएलएन मार्ग जाम कर दिया। आरोपियों ने करीब 20 मिनट तक रोड जाम कर यातायात अवरुद्ध कर दिया। इसके बाद छात्रों को हटाकर रास्ता खुलवाया गया। रिपोर्ट पर जांच के बाद पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियुक्तों ने अपने आप को निर्दोष और मामला राजनीति से प्रेरित बताया। उनकी ओर कहा गया कि, घटना के दिन कानून व्यवस्था बरकरार रखी गयी थी। आरोपीगणों की ओर से यह भी कहा गया कि, पुलिस प्रशासन ने जानबूझकर उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया, जैसे कि आईपीसी 147, जो कि तोड़फोड़ और दंगा फसाद जैसे मामलों से संबंधित है। उनकी ओर से कहा गया कि, किसी भी सरकारी संपत्ति और व्यक्ति विशेष को हमारे द्वारा नुकसान नहीं पहुंचाया गया था, परंतु पुलिस ने ही मौके पर मौजूद लोगों के साथ लाठीचार्ज और बल प्रयोग किया था।

'योग मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य की कुंजी'

जयपुर। केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली और स्वास्थ्य कल्याण इंस्टिट्यूट ऑफ़ नेचुरोपैथी एवं योग साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में 11 वें योग दिवस के उपलक्ष में आयोजित 'योग समावेश' कार्यक्रम सीतापुरा केंपस में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग एवं मेंटल हेल्थ विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रेसिडेंट डॉ. सर्वेश अग्रवाल रहे। मुख्य वक्ता के तौर पर आरएचएल डीएडीक्शन सेंटर के डायरेक्टर डॉ. राघव शाह रहे। कार्यक्रम में परिषद के डॉ. भावित बंसल, नोएडा के डॉ. राजेश कुमार सिंह, दोसा से डॉ. दिव्या चंदेल एवं जयपुर से डॉक्टर चारू शामिल हुए। साइंटिफिक सेशन में डॉ. सर्वेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में लोगों से योग को जीवन में उतारने का मंत्र दिया।

'कांग्रेसी नेता आंतरिक कलह को छिपाने के लिए कर रहे हैं अनर्गल बयानबाजी'

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में डिक्टेटरशिप की परंपरा है, जबकि भाजपा में लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन किया जाता है। राठौड़ ने कांग्रेस के नेताओं पर अनर्गल बयानबाजी करने का आरोप लगाया और कहा कि वे अपनी पार्टी की आंतरिक कलह को छिपाने के लिए भाजपा पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। जबकि हकीकत प्रदेश की जनता लगातार उपचुनावों में दे रही है। भाजपा ने उपचुनावों में कांग्रेस का पटखनी दी, कांग्रेस केवल 4 उपचुनाव जीते, जबकि भाजपा 29 उपचुनाव जीत चुकी। इससे स्पष्ट हो गया कि कांग्रेसी नेताओं के चलते इनकी पार्टी धरातल पर जनाधार खो रही है।

मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आरपीएससी से संबंधित बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आरपीएससी एक ऑटोनॉमस बॉडी है, जिसमें भाजपा का कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है।

जबकि डोटासरा ने इस संवैधानिक संस्था में अपने परिवार के सदस्यों का चयन करवाया है, इससे वे स्वयं कठघरे में आ गए और चयनित भी समस्या में आ गए।

राठौड़ ने कहा, "हमने छात्रों की समस्याओं को आरपीएससी तक पहुँचाया, लेकिन हस्तक्षेप नहीं किया। आरपीएससी एक ऑटोनॉमस बॉडी है, जो अपने विवेक से निर्णय लेती है।" सुझाव देना अलग बात है और हस्तक्षेप करना अलग।

राठौड़ ने कहा कि "कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे अनर्गल और भ्रामक बयानों के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

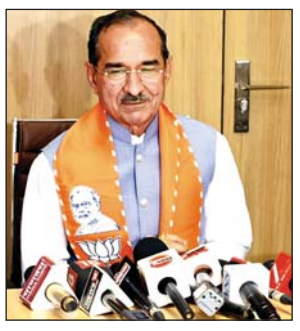

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़

- डोटासरा ने अपने परिजनों का चयन करवाकर आरपीएससी में जमकर किया था राजनीतिक हस्तक्षेप : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

शिव सरोवर में चलाया स्वच्छता अभियान

- गोठवाल ने 365 दिन 365 पौधारोपण संकल्प के तहत पौधारोपण किया

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री और खंडार विधानसभा विधायक जितेंद्र गोठवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा शुरू किए गए वंदे गंगा - जल संरक्षण अभियान के तहत बुधवार को चौथ का बरवाड़ा मंडल के शिव सरोवर में स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। इस दौरान गोठवाल ने 365 दिन 365 पौधारोपण संकल्प के तहत पौधारोपण भी किया।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने मोदी सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धि तक अभियान के तहत चौथ का बरवाड़ा मण्डल में मण्डल संकल्प सभा भी आयोजित की। इसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं को विकसित भारत 2047 का संकल्प दिलवाया। 'विकसित भारत संकल्प सभा' में मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताया गया।

माटी कला कामगारों को मिलेगा तकनीकी संबंल

जयपुर । माटी कला को आधुनिक स्वरूप देने और परंपरागत कारीगरों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट वर्ष-2025-26 में घोषणा के प्रभावी कियान्यवन के संबंध में बुधवार को श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि माटी कला बोर्ड को मुख्यमंत्री ने इस बार दोगुना बजट दिया है। उन्होंने इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। प्रहलाद टाक ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर वर्ग के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी के तहत प्रदेश के मिटटी कामगारों को आर्थिक रूप से सुदृढ करने के उदेश्य से 2000 विद्युत चालित चाक एवं 2000 मिट्टी गूंथने की मशीनें नि:शुल्क उपलब्ध करायी जाएंगी। इसके लिए 14 हजार से ज्यादा ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से दो हजार पात्र लोगों का चयन कर उन्हें उचित प्रशिक्षण देकर चाक व मिटटी गूंथने की मशीन उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाएगा।

राजसमंद से होगा जागरूकता शिविरों का आगाज: उन्होंने बताया कि प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों व 41 जिलों से चयनित माटी कला कामगारों को नि:शुल्क मशीनें वितरित की जायेंगी। बोर्ड द्वारा पोर्टल तैयार कर ऑनलाइन आवदेन प्रकिया प्रारंभ कर बजट घोषणा की कियान्विति का आगाज किया जा चुका है। इसी के तहत पहला जागरूकता शिविर 21 जून-2025 को राजसमंद जिले में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में जिले की 4 विधानसभा क्षेत्रों से प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों में से लाभार्थियों का विधानसभा क्षेत्रानुसार प्राथमिकता व पात्रता/ लॉटरी के आधार चयन किया जायेगा। चयनित पात्र लाभार्थियों को 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाकर उनको माटी कला की विभिन्न विधाओं, कलाकृतियों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण उपरान्त पात्र लाभार्थियों को विद्युत चालित चाक व मिट्टी गूंथने मशीन का सेट नि:शुल्क उपलब्ध करवाया जायेगा। इसी तरह राज्य के अन्य जिलों में भी जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

माटी कामगारों के लिए माटी के लाल पुरस्कार: प्रहलाद राय टाक ने बताया कि गर्वनिंग बोर्ड की बैठक में इस बार श्रीयादे माटी कला बोर्ड ने कई महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित किए हैं। इसके तहत माटी के बर्तन पकाने के हेतु धुआं रहित अथवा कम धुआं के बारे में भी माटी कामगारों को जागरूक किया जायेगा। माटी के बर्तन, खिलौनों आदि के उचित विपणन के लिए जागरूक किया जायेगा।

प्रहलाद राय टाक

- श्रीयादे माटी कला बोर्ड नि:शुल्क देगा मशीनें

'युवा पीढ़ी को तंबाकू से दूर रखने के लिए प्रयास जरूरी'

जयपुर। राज्य में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बुधवार को होटल गोल्डन ट्यूलिप एसेंशियल, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला स्थानीय निकाय, जयपुर तथा एसआरकेपीएस के संयुक्त तत्वावधान में तंबाकू विक्रेताओं के लिए लाइसेंसिंग प्रणाली लागू करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि युवाओं को नशे की ओर ले जाने वाली पहली कड़ी-मीठी सुपारी और तंबाकू उत्पाद-से दूर रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है और इसके लिए हर स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

मंत्री खर्रा ने निर्देश दिए कि कार्यशाला की सभी अनुशंसाएं लिखित रूप में उनके कार्यालय को प्रेषित की जाएं, ताकि स्वायत्त शासन निदेशालय, विधि प्रकोष्ठ और शिक्षा विभाग से समन्वय कर समूचे राज्य के लिए एक सामान्य नियमावली तैयार की जा सके।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए स्थानीय निकाय, संभाग जयपुर के उपनिदेशक विनोद कुमार पुरोहित ने कहा कि तंबाकू विक्रेताओं के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने से कोटपा अधिनियम, 2003 के नियम 6 का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा, जिससे स्कूलों के आसपास बच्चों को तंबाकू उत्पादों की सहज उपलब्धता पर अंकुश लगेगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के 10 से अधिक स्थानीय निकायों में इस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

वाइटल स्ट्रैटेजीज़, नई दिल्ली से आए डॉ. राणा ने भारत के विभिन्न राज्यों में वेंडर लाइसेंसिंग नीति के क्रियान्वयन के अनुभवों को साझा किया। राजस्थान कैंसर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तंबाकू वेंडर लाइसेंसिंग की प्रभावी प्रणाली के माध्यम से राजस्थान में एक तंबाकू-मुक्त पीढ़ी की नींव रखी जा सकती है। कार्यशाला के प्रारंभ में एसआरकेपीएस के कार्यकारी निदेशक राजन चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

'संकल्प से सिद्धि तक ' कार्यक्रम

जयपुर। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 सफल वर्षों के पूर्ण होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान द्वारा पूरे प्रदेश में संकल्प से सिद्धि तक अल्पसंख्यक चौपाल कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा। इन चौपालों का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे दरगाहों, मदरसों, गुरुद्वारों और चर्चों के बाहर किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय तक सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा, यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के विजन को धरातल पर उतारने का प्रयास है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को योजनाओं की सीधी जानकारी देने के लिए हम हर जिले, हर नगर मे पहुँच रहे हैं।

- अल्पसंख्यक समुदाय में जनकल्याण योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करेगा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा

देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी की यात्रा पर रवाना

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के लिए रवाना हुए। देवनानी बुधवार को नई दिल्ली से वायुयान द्वारा पेरिस के लिए रवाना हुए। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वावाधान में आयोजित इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी दो देशों की संसदीय परम्पराओं का अध्ययन करेंगे। देवनानी ने कहा कि वैश्विक संसदीय संवाद के लिए यह अध्ययन यात्रा नई पहल है।

देवनानी को मंगलवार को प्रात: यहां उनके जयपुर स्थित राजकीय निवास पर विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा और विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर, माला पहनाकर और दुपट्टा ओढाकर संसदीय परम्पराओं की इस अध्ययन यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी के साथ विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी गये है।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की फ्रांस और जर्मनी की यह सात दिवसीय यात्रा संसदीय सहभागिता, लोकतांत्रिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। देवनानी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के राष्ट्रीय संसदों, स्थानीय विधान संस्थानों और विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कर उच्चाधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श करेंगे। देवनानी इस अध्ययन यात्रा में डिजिटल विधायी प्रक्रियाओं और सामाजिक समावेशन पर भी विस्तार से विचार-विमर्श करेंगे।

यात्रा के दौरान देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी में भारतीय मिशनों के प्रतिनिधियों, प्रवासी भारतीय संगठनों तथा भारतीय मूल के नवाचारकर्ताओं से संवाद करेंगे। वे राजस्थान की लोकतांत्रिक परंपराओं, सांस्कृतिक धरोहर और जनकल्याणकारी योजनाओं के मॉडल को विश्व पटल पर प्रस्तुत करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष फ्रांस और जर्मनी की अपनी सात दिवसीय विदेश यात्रा पूरी कर 24 जून को स्वदेश लौटेंगे।

- राज्य लोकतांत्रिक परंपराओं के मॉडल को विधान सभा अध्यक्ष देवनानी विश्व पटेल पर प्रस्तुत करेंगे

'बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने को गति मिलेगी'

- आरईआरसी ने 1000 मेगावाट-ऑवर बीईएसएस परियोजना की टैरिफ को मंजूरी दी
- "मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों से केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय ने हाल ही में राजस्थान को 4 हजार मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली क्षमता का आवंटन भी किया है।"

जयपुर । बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में राजस्थान को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (आरईआरसी) ने 1000 मेगावाट-ऑवर स्टैंडअलोन बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की स्थापना के लिए बोलीदाता ऊर्जा कंपनियों द्वारा दी गई टैरिफ को मंजूरी प्रदान की है। राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा इस परियोजना को बिल्ड-ओन-ऑपरेट (बीओओ) मॉडल के तहत वायबिलिटी गेप फंडिंग (वीजीएफ) सहायता के साथ लागू किया जाएगा।

ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि अपनाई गई प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया में सोलर वर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (250 मेगावाट ऑवर), ओरियाना पावर लिमिटेड (100 मेगावाट ऑवर), रेज पावर एक्सपर्ट्स प्रा. लि. (150 मेगावाट ऑवर) और जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी (500 मेगावाट ऑवर) आदि अग्रणी ऊर्जा कंपनियों ने भाग लिया था। निविदा के तहत प्राप्त टैरिफ दर 2.21 लाख से 2.24 लाख प्रति मेगावाट प्रति माह के बीच रही, जो कि देश में सबसे कम है। आयोग ने राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की इस निविदा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और बाजार अनुरूप मानते हुए अनुमोदन प्रदान किया है। उन्होंने बताया यह प्रक्रिया भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा बैटरी स्टोरेज के लिए जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण के साथ ग्रिड स्थिरता को मजबूत करना है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए कृत संकल्पित है। आरईआरसी की मंजूरी से राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकतानुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। विद्युत मंत्रालय द्वारा प्रति मेगावाट-ऑवर 27 लाख की दर से वीजीएफ सहायता प्रदान की जा रही है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) परियोजनाएं चयनित स्थलों पर स्थापित की जाएंगी, जिनमें प्रसारण निगम के जयपुर और कोटा स्थित ग्रिड सब स्टेशन तथा उत्पादन निगम के सूरतगढ़ और गिरल स्थित विद्युत गृह शामिल हैं। इन स्थलों का चयन तकनीकी, परिचालन और ग्रिड अनुकूलन मानकों के आधार पर किया गया है यह ऊर्जा भंडारण प्रणाली राज्य की वितरण कंपनियों को महंगी पीक आवर्स की बिजली खरीद से मुक्ति दिलाएगी, जिससे प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ तक की संभावित बचत हो सकती है।

राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने बताया कि मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों से केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय ने हाल ही में इसके अतिरिक्त राजस्थान को 4 हजार मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली क्षमता का आवंटन किया है।

देवेन्द्र श्रृंगी ने बताया कि बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में राजस्थान देश में अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2028-29 तक प्रदेश में 18.5 गीगावाट ऑवर की बैटरी एनर्जी स्टोरेज क्षमता विकसित करने की योजना बनाई गई है। उत्पादन निगम द्वारा 1 हजार मेगावाट बैटरी स्टोरेज प्रणाली के अतिरिक्त एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम के माध्यम से भी 1 हजार मेगावाट ऑवर्स बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना की स्थापना के लिए अलग से निविदाएं जारी की गई हैं। इस प्रकार 2 हजार मेगावाट बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए की गई बजट घोषणा को मूर्त रूप देते हुए राजस्थान में लगभग 2 हजार करोड़ का निवेश होगा।

ग्रेटर महापौर ने की उद्यमियों के साथ बैठक

जयपुर । 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत योग के पूर्वाभ्यास कार्यक्रमों के तहत 20 जून 2025 को प्रात: 8 बजे से हवामहल के सामने व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों, महिला उद्यिमयों, दुकानदारों द्वारा योगाभ्यास किया जायेगा। इस संबंध में नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को व्यापार मण्डल पदाधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया, महामंत्री सुरेश सैनी, सेन्ट्रल स्पाइन व्यापार परिषद विद्याधर नगर अध्यक्ष अजय अग्रवाल, लालकोठी व्यापार मण्डल, चौड़ा रास्ता व्यापार मण्डल, घी वालों का रास्ता व्यापार मण्डल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

महापौर ने बताया कि 20 जून 2025 को प्रात: 8 बजे हवामहल के सामने योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जायेगा। इस योगाभ्यास कार्यक्रम में पहले योग फिर उद्योग की थीम पर विभिन्न व्यापार मण्डलों के पदाधिकारी, दुकानदार योगाभ्यास करेंगे। बुधवार को हुई बैठक में महापौर ने सभी पदाधिकारियों को ताड़ासन करवाया साथ ही योग से होने वाले फायदों के बारे में भी जानकारी दी।

तीन करोड़ की ठगी का मास्टरमाइंड चंद्रमोहन जयपुर से गिरफ्तार

- 25 हजार रु. का इनामी यह बदमाश पिछले 3 साल से फरार था
- ऑनलाइन ट्रक बेचने का झांसा देकर कई राज्यों में ठगी की वारदातें की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। साइबर ठगी के मामले में बारां साइबर पुलिस ने ऑनलाइन ट्रक बेचने के बहाने देशभर में 3 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने वाले मास्टरमाइंड चंद्रमोहन वैष्णव पुत्र बाबूलाल (40) निवासी गणेशपुरा थाना केलवाड़ा जयपुर के सिरसी रोड स्थित हाथोज क्षेत्र से धर दबोचा है। आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम था। आरोपी पिछले तीन साल से पुलिस की गिरफ्त से दूर था।

बारां एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि यह मामला 17 मई 2023 को तब सामने आया जब मंदसौर मध्य प्रदेश निवासी पिंटू राठौर ने शिकायत दर्ज कराई। राठौर के अनुसार वैष्णव इन्फ्राटेक और बिड्स बाजार नामक फर्जी कंपनियों के माध्यम से चंद्रमोहन वैष्णव और उसके साथियों ने उन्हें फेसबुक पर ट्रक का लालच देकर टोकन राशि और कागजी कार्रवाई के नाम पर 4 लाख रुपए ठग लिए थे। शिकायत में इस गिरोह द्वारा बैंक की डिफाल्टर गाड़ियां बेचने के नाम पर राजस्थान सहित अन्य राज्यों के लोगों के साथ व्यापक साइबर धोखाधड़ी का खुलासा हुआ।

मामला दर्ज होने के बाद से चंद्रमोहन वैष्णव लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। उसकी कंपनियां जैसे बिड्सबाजार डॉट कॉम, टर्बो24 डॉट कॉम, क्विकहोट टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड और वैष्णव एशोशियेट्स देश भर में सेकंड हैंड कमर्शियल वाहन बेचने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये ऐंठ रही थीं। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी बारां द्वारा 25,000 रुपये का इनाम भी घोषित किया था। इस गिरोह के तीन अन्य सदस्य अनिल वैष्णव, जगदीश बैरागी और प्रेमनारायण वैष्णव को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका थापुलिस ने बताया कि चंद्रमोहन और उसका गिरोह बैंक यार्ड से अधिग्रहित वाहनों की तस्वीरें लेकर उन्हें अपनी फर्जी कंपनियों के फेसबुक पेज पर कम कीमत में बेचने का विज्ञापन डालते थे। जब कोई ग्राहक कम कीमत के लालच में संपर्क करता, तो वे उसे गाड़ी दिखाने और डील करने के नाम पर टोकन राशि यूपीआई के माध्यम से वसूल लेते थे। रजिस्ट्रेशन के नाम पर वाहन की 75 प्रतिशत कीमत ऑनलाइन बैंक खातों में जमा करवा ली जाती थी। राशि मिलने के बाद अपराधी ग्राहक का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर देते थे।

पुलिस का कहना है कि चंद्रमोहन वैष्णव और उसके साथियों के खिलाफ राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में 20 से अधिक धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। साइबर क्राइम शिकायत पोर्टल पर भी उनके खिलाफ 100 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। यह गिरोह वर्ष 2011 से ही सक्रिय था। तकनीकी अनुसंधान के आधार पर चंद्रमोहन वैष्णव को जयपुर से हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।